

॥ তত্ত্বাৰ্যাস্তবঃ ॥

শিবকামসুন্দরীশং শিবগঙ্গাতীরকল্পিতনিবেশম .
শিবমাশ্রয়ে দ্যুকেশং শিবমিচ্ছন্যা বপুষ্যভিনিবেশম .. ১..
গীৰবাণচক্রবরতী গীশেচতোমারগদূরতোবরতী .
ভক্তাশযানুবরতী ভবতু নটেশোখিলামযনিবরতী .. ২..
বৈয়াষ্পাদভাগ্যং বৈয়াষ্পং চরম কংচন বসানম .
বৈয়াকরণফণীড্যং বৈয়াসিকা গিরা স্তুতং প্রণুমঃ .. ৩..
হাটকসভানিবাসঃ শাটকতাপন্নসকলহরিদন্তঃ .
ঘোটকনিগমো মাযানাটকসাক্ষী জগত্পতিরজযতি .. ৪..
শৈলুঘরাজমাদ্যং মালুরপ্রসবমালিকাভরণম .
পীলুপমোন্ধুজীৰ্যচ্ছালুরাভঃ কথং বিজনীযাম .. ৫..
কনকসভৈকনিকেতং কঠিনপুরাণোক্তিসারসংকেতম .
নারাধযন্তি কে তং নারাষণ্যা যুতং স্বতোকৈতম .. ৬..
তিল্লবনে ক্ধুল্লবনে পল্লবসংভিন্নফুল্পপুষ্পঘনে .
চিল্লহরীমুল্ললযন বল্লভযা ভিল্লতল্লজো নটতি .. ৭..
বৈরাজহুত্সরোজে বৈরাজদৈঃ স সামভিঃ স্তবযঃ .
বৈরাগ্যাদিগুণাট্যৈঃ বৈরাদুত্সজ্য দৃশ্যতে নৃত্যন .. ৮..
চক্কানিনদৈঃ সুত্রাণ্যত্সদনাদৈরহো মহদভাষ্যম .
বয়াকরণস্য বিবৃণবন নৃত্যতি ভৃত্যান কৃতারথযন মরত্যান .. ৯..
নটনাযক নটনায ক ইহ সুকৃতী নো তব স্পৃহয়েত .
মন জুলতামঙুলতামহিতে বস্তুং চ তিল্লবনে .. ১০..
অতিদূরিতোত্তারকৃতে চিরধৃতহরষঃ সভাপতিঃ সদ্যঃ .
অগণেযাঘঘনং মামাসাদ্যানন্দমেদুরো নটতি .. ১১..
মত্পাদলগ্নজনতামুদধরতাস্মীতি চিত্সভানাথঃ .
তাণ্ডবমিষোদধৃতৈকসৰাণ্ডিষঃ সরবান বিবোধযতি .. ১২..
আপন্নলোকপালিনি কপালিনি স্ত্রীকৃতাস্পালিনি মে .

শমিতবিধিশ্রীশরণে শরণা ধীরস্তু চিত্তসভাশরণে .. ১৩..
 ভিক্ষুরমহেশ্বরোপি শ্রুত্যা প্রোক্তঃ শিবোপ্যুগ্রঃ .
 অপি ভবহারী চ ভবো নটোপি চিত্রং সভানাথঃ .. ১৪..
 নৃত্যনটেশমোলিঅবহঙ্গাতরঙ্গশীকরিণঃ .
 ভূষাহিপীতশিষ্টাঃ পুনস্তু মাং তিল্লবনবাতাঃ .. ১৫..
 কনকসভাসম্রাজো নটনারক্তে বলংবলংবালিতি .
 মঞ্জীরমঞ্জুনিদা ধবনিযুঃ শ্রোত্রে কদা নু মম .. ১৬..
 পরবতরাজতনুজাকুচতটসংক্রান্তকুঙকুমোমিশ্রাঃ .
 নটনারভটীবিধুতা ভূতিকণাস্তে স্পশেয়ুরপি মেহম .. ১৭..
 নটনোচলকপালামরিদতচন্দ্রক্ষরতসুধামিলিতাঃ .
 আদিনটমোলিতটিনীপৃষতো গোত্রেত্র মে স্বলেযুঃ কিম .. ১৮..
 পশ্যানি সভাধীশং কদা নু তং মুরধনি সভাধীশম .
 যঃ ক্ষয়রসিকং কালং জিতবান ধত্তে চ শিরসি কঙকালম .. ১৯..
 তনুজায়াতনুজায়াসক্তানাং দুরলভং সভানাথম .
 নগতনয়া নগতনয়া বশযতি দত্তবা শরীরারধম .. ২০..
 আনন্দতাণ্ডং যস্তবেশ পশ্যেন্ন চাপি নৃগণে যঃ .
 স চ স চ ন চন্দ্রমোলে বিদ্বদিভরজন্মবত্সু বিগণেযঃ .. ২১..
 কামপরবশং কৃত্বা কামপরবশং ত্বকৃত্বা মাম .
 কনকসভাং গমযসি রে কনকসভাং হা ন যাপযসি .. ২২..
 নটনং বিহায় শংভোরঘটনং পীনস্তনীভিরাশাস্বেস .
 অটনং ভবে দুরন্তে ষিট নন্দসি ন স্বভূমসুখম .. ২৩..
 কলিতভবলঙঘনানাং কিং করৈব চিত্তসুখঘনানাং .
 সুমুদাং সাপঘনানাং শিবকামেশ্যাঃ কৃপামৃতঘনানাং .. ২৪..
 নিনিলীয়ে মায়ায়াং ন বিলিয়ে বা শুচা পরং লীয়ে .
 আনন্দসীমনি লসত্তিল্লবনীধামনি স্বভূমনি তু .. ২৫..
 অধিহেমসভং প্রসভং বিসভঙ্গবদান্যধন্যরুচম .

श्रुतगलगरलं सरलं निरतं भक्तबने भजे देबम .. २६..
 सभया चित्सभयासीन्माया मायाप्रबोधशीतरुचेः .
 सुहिता धीः सुहिता मे सोमा सोमारधधारिणी मुरितः .. २७..
 पत्या हेमसभायाः सतानन्दैकचिद्वषुषा .
 कतारता न त्राता नृत्यायत्नेन मादृशा मरताः .. २८..
 भजतां मुमुक्षुया त्वां नटेश लभयास्त्रयः पुमरथाश्च .
 फललिपसयाम्रभाजां छायासौरभमाधरय ईष .. २९..
 कण्ठुकपङ्ककनदधं नटयसि मां किं नटेश नाटयसि .
 नाटसि निरावृत्तिसुखितो जहि मायां त्वादृशोहमपि तत स्याम .. ३०..
 आस्तां नटेश तदन्नटति भवानम्बरे निरालम्बे .
 त्वन्नटनेपि हि नटनं वेदपुरानागमाः समादधति .. ३१..
 वेधसि सरबाधीशेमेधसि वा मादृशे सरूपकृता .
 रोधसि शिबगङ्गाया बोधसिरा काचिदुल्लसति .. ३२..
 हट्टायितं विमुक्तेः कुट्टाकं तं भजामि मायायाः .
 भट्टारकं सभायाः किट्टात्न्याङ्गके तजन्ममताम .. ३३..
 श्रीमच्चिदम्बरेशादन्यात्रानन्दताण्डवासक्तत .
 ब्राह्मं लक्ष्मणमास्ते कुत्रेचिदानन्दरूपता देवे .. ३४..
 क्खुल्लककामकृतेपि त्वत्सेवा स्याद्विभुक्तिमपि दात्री .
 पीतामृतोप्युदन्याशनैत्य स्याच्चित्सभाधिपामरताः .. ३५..
 सत्यं सत्यं गतान्तरमुत्सृज्य ते पदापाताम .
 अत्यन्तरतं भूतं न तज्ज नित्यं नटेश मां पाहि .. ३६..
 षट्त्रिंशता तत्तुबमयीभिराभिः सोपानभूताभिरुमासहायम .
 आर्याभिराद्यं परतत्तुबभूतं चिदम्बरानन्दनटं भजधरम .. ३७..
 .. इति श्रीतत्तुबर्यास्तुतः संपुरणः..

Encoded by Sridhar Seshagiri seshagir@egr.msu.edu

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com